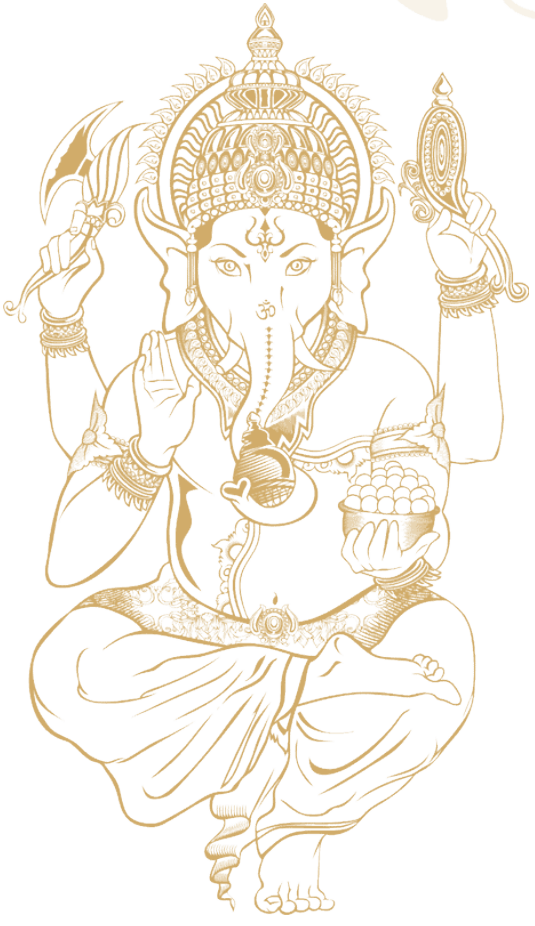

Vedant sharma

17 Jul 2020

05:10 PM

Karnal

Model: web-freekundliweb

Order No: 121842102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/07/2020**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**17:10:00 घंटे**
इष्ट	29:02:08 घटी
स्थान	**Karnal**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:41:00 उत्तर
रेखांश	76:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	16:47:56 घंटे
वेलान्तर	-00:06:12 घंटे
साम्पातिक काल	12:30:58 घंटे
सूर्योदय	05:33:08 घंटे
सूर्यास्त	19:22:56 घंटे
दिनमान	13:49:48 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	01:12:29 कर्क
लग्न के अंश	29:54:59 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वृद्धि
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वुभेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	29:54:59	322:48:32	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
सूर्य			कर्क	01:12:29	00:57:16	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	मंगल	मित्र राशि
चंद्र			वृष	21:35:55	12:37:34	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			मीन	16:58:07	00:31:52	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	मित्र राशि
बुध			मिथु	12:31:46	00:27:46	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	स्वराशि
गुरु	व		धनु	27:47:33	00:07:43	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	स्वराशि
शुक्र			वृष	19:06:32	00:38:14	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	स्वराशि
शनि	व		मक	04:45:23	00:04:26	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	स्वराशि
राहु			मिथु	04:50:58	00:01:07	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	उच्च राशि
केतु			धनु	04:50:58	00:01:07	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	उच्च राशि
हर्ष			मेष	16:12:27	00:01:24	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	सूर्य	---
नेप	व		कुंभ	26:39:52	00:00:45	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शुक्र	---
प्लूटो	व		धनु	29:33:31	00:01:27	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
दशम भाव			कन्या	14:17:13	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:22

लग्न-चलित

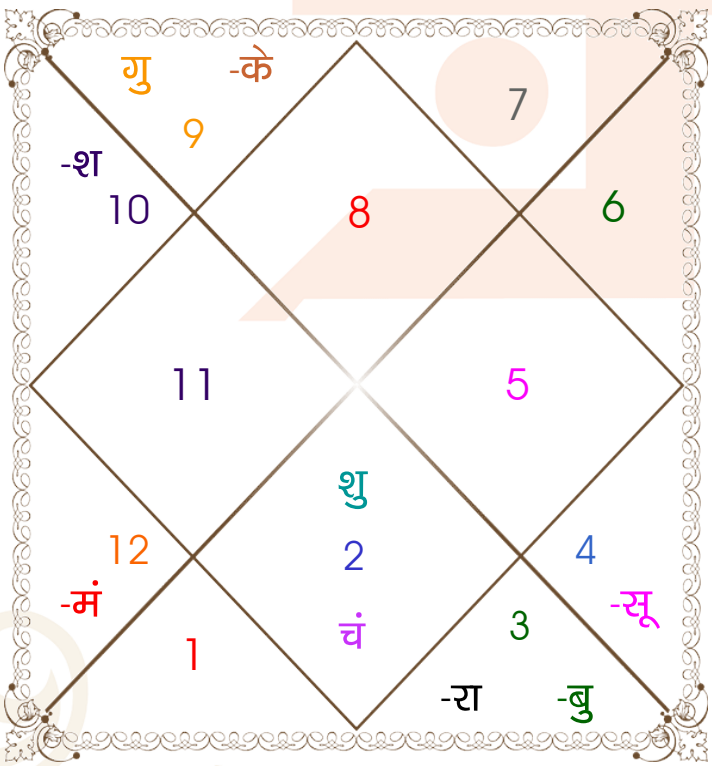

चन्द्र कुंडली

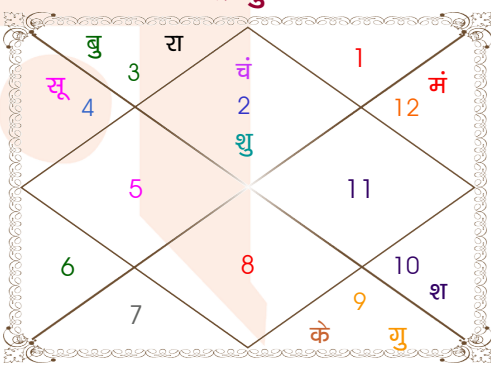

नवमांश कुंडली

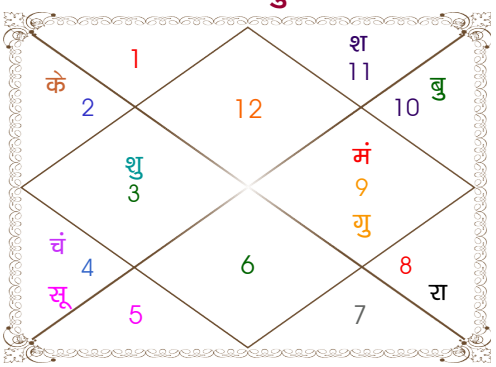

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 1 वर्ष 3 मास 18 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
17/07/2020		04/11/2021		04/11/2028		05/11/2046		05/11/2062	
04/11/2021		04/11/2028		05/11/2046		05/11/2062		04/11/2081	
	00/00/0000	मंगल	03/04/2022	राहु	18/07/2031	गुरु	23/12/2048	शनि	07/11/2065
	00/00/0000	राहु	21/04/2023	गुरु	11/12/2033	शनि	06/07/2051	बुध	18/07/2068
	00/00/0000	गुरु	27/03/2024	शनि	17/10/2036	बुध	11/10/2053	केतु	26/08/2069
	00/00/0000	शनि	06/05/2025	बुध	06/05/2039	केतु	17/09/2054	शुक्र	26/10/2072
	00/00/0000	बुध	03/05/2026	केतु	24/05/2040	शुक्र	18/05/2057	सूर्य	08/10/2073
	00/00/0000	केतु	29/09/2026	शुक्र	25/05/2043	सूर्य	06/03/2058	चंद्र	09/05/2075
	17/07/2020	शुक्र	29/11/2027	सूर्य	17/04/2044	चंद्र	06/07/2059	मंगल	17/06/2076
शुक्र	06/05/2021	सूर्य	05/04/2028	चंद्र	17/10/2045	मंगल	11/06/2060	राहु	24/04/2079
सूर्य	04/11/2021	चंद्र	04/11/2028	मंगल	05/11/2046	राहु	05/11/2062	गुरु	04/11/2081

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
04/11/2081		05/11/2098		05/11/2105		05/11/2125		06/11/2131	
05/11/2098		05/11/2105		05/11/2125		06/11/2131		00/00/0000	
बुध	02/04/2084	केतु	03/04/2099	शुक्र	07/03/2109	सूर्य	23/02/2126	चंद्र	05/09/2132
केतु	30/03/2085	शुक्र	03/06/2100	सूर्य	07/03/2110	चंद्र	25/08/2126	मंगल	06/04/2133
शुक्र	29/01/2088	सूर्य	09/10/2100	चंद्र	06/11/2111	मंगल	30/12/2126	राहु	06/10/2134
सूर्य	05/12/2088	चंद्र	10/05/2101	मंगल	05/01/2113	राहु	24/11/2127	गुरु	05/02/2136
चंद्र	06/05/2090	मंगल	06/10/2101	राहु	06/01/2116	गुरु	11/09/2128	शनि	06/09/2137
मंगल	03/05/2091	राहु	24/10/2102	गुरु	06/09/2118	शनि	24/08/2129	बुध	05/02/2139
राहु	20/11/2093	गुरु	30/09/2103	शनि	05/11/2121	बुध	01/07/2130	केतु	06/09/2139
गुरु	26/02/2096	शनि	08/11/2104	बुध	05/09/2124	केतु	06/11/2130	शुक्र	18/07/2140
शनि	05/11/2098	बुध	05/11/2105	केतु	05/11/2125	शुक्र	06/11/2131		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 3 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म ज्येष्ठा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में पूर्व दिशा में उदित वृश्चिक लग्न, मीन नवमांश तथा कर्क राशि के द्रेष्काण में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति आपको एक धार्मिक प्राणी के रूप में प्रस्तावित करता है। आप धार्मिक तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे। परंतु वास्तविकता यह है कि आप दिलेर एवं बहुत ही समाजिक प्राणी हैं। आपकी अभिलाषा है कि सभी प्रकार के संसारिक सुखों का आनंद प्राप्त करें।

आपको देखने वाले एक धर्म निष्ठ व्यक्ति के रूप में आपको प्रतिष्ठित करते हैं। आप बहुत अधिक लाभांश प्राप्त करते हैं, परंतु आपका कार्य धीरे-धीरे कार्यान्वित होता है। अबतक आपने अन्यों को अपनी बातों से अपना बनाया है। परंतु कुछ दुष्कर घटनाएं उपस्थित होती रहती है। आप अपने साहसिक एवं दृढ़ प्रवृति के कारण सफलता प्राप्त करतें आए हैं। तब ही आपके धन संचय करने का लक्ष्य पूरा हो सकेगा।

आप सदैव सावधानी पूर्वक मनोविनोदी प्रवृति से अपना मनोरंजित जीवन जीते आएं हैं। परंतु यदा-कदा आपका यह हास्य परिहास, व्यवसायिक मामले में व्यवधान उपस्थित कर सकता है। समय आने पर आप पूर्ण सचेत रहकर उन बाधाओं को स्पष्ट कर लेंगे।

आप निःसंदेह विपरीत योनि के प्राणियों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। परंतु आप इस मामले में मनोनुकूल स्त्री को बहुत पसंद करते हैं। मुख्य रूप से आपके लिए यह विचारणीय है कि आपकी प्रेमिका बहुत अच्छी तो नहीं है परंतु बड़ी मेधावी है। आप जिस किसी भी व्यक्ति से संपर्क कर के आनन्द प्राप्त करना चाहते हो वह आपके मनोनुकूल एवं आपकी बुद्धि के अनुरूप हो। इसलिए आपको अपनी प्रेमिका की अनुरूपता हेतु कुछ अतिरिक्त निर्देश की आवश्यकता है, क्योंकि यदि आप जिस किसी का चयन किया है। वह आकर्षक है। इस पर आप हतोत्साहित होंगे। आपको अपनी जीवन संगिनी के चयन हेतु प्रयास करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, मीन, तुला, कन्या अथवा मकर राशि लग्न में हुआ हो।

आपके जीवन के क्षेत्र से संबंधित एक अहम मुद्दा यह है कि आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सौभाग्यशाली हैं। दूसरी बात यह है कि आपके जीवन में अतिशय भ्रमणकारी समस्या हैं। आप अपने जीवन के 13 वें, 27 वें, 31 वें एवं 49 वें वर्ष में रोगादिक प्रभाव से अद्य ोगामी हो सकते हैं। अतएव सर्तकता पूर्वक जागरूक रहने की आवश्यकता है।

आपको समय-समय पर अच्छी प्रकार स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए। इसलिए आप किसी भी प्रकार के रोग के प्रति सावधानी पूर्वक आचरण कर सकते हैं। आप जैसे गुप्तांग को क्षतिग्रस्त होने वाले आचरण के प्रति सतर्क रहें। अन्यथा इसका गलत प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। अतएव आप अर्शरोग एवं गुप्तांग रोग के प्रति अनियमिततापूर्ण आचरण नहीं करें।

समय-समय पर आपकी उत्तेजना अति तीक्ष्ण हो जाती है। कृप्या इस पर शांति पूर्ण आचरण करें। आप अपने मन को शांति दायक प्रवृति के अनुरूप बनाकर किसी भी प्रकार

के रोगादिक प्रभाव से वंचित रह सकते हैं। अन्यथा नसों की गड़बड़ी संबंधी रोग का विपरीत प्रभाव जीवन पर पड़ेगा।

आपके लिए स्मरणीय है कि साप्ताहिक दिनों में आपके लिए अनुकूल एवं प्रभावशाली दिन सोमवार, मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार एवं शनिवार का दिन सर्वथा प्रतिकूल है।

आप अंको में अंक 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंकों को अपने लिए अनुकूल समझें। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक सर्वथा त्याज्य है।

आपके लिए रंगों में सफेद एवं हरा आपके लिए प्रतिकूल है। परंतु रंग, पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग आपके लिए अनुकूल एवं लाभदायक है।